



# भारतीय नागरिकों में राष्ट्र भाव जगाने की आज सबसे अधिक आवश्यकता

## प्रह्लाद सबनानी-

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सरसंगचालक श्री मोहन भागवत जी नागपुर में आयोजित संघ के 2023 वर्ष में दिनांक 1 जून 2023 को अपने विचार रखते हुए कहते हैं कि भारतीय नागरिकों द्वारा भारत के विस्तृत इतिहास का स्मरण करने पर अथवा देश को स्वतंत्रता दिलाने में अपने प्राणों की अर्पण करने वाले महान देशभक्तों की कछनी सुनने मात्र से हमारे हृदय में स्फूर्ति का संचार होने लगता है, हमारे हृदय में स्वाभिमान का भाव जागने लगता है, देश के प्रति गौरव एवं उत्साह की भावना का संचार होने लगता है। अतः उन महान विद्वानों जैसे सम्प्रदाय का भाव हममें भी होना चाहिए ऐसी प्रेरणा भी जागती है। इसी प्रकार, भारत के वर्तमान खंडाल में भी अपने देश के गौरव के कई प्रमाण आज हम देख रहे हैं। हाल ही में पूरे विश्व में फैली कोरोना महामारी के दौरान विश्व के समस्त देशों के बीच कोरोना महामारी से अपने देश के नागरिकों को बचाने का सबसे अथक कार्य भारत में समर्थ हुआ है, यह आज पूरा विश्व मान रहा है। भारत की आर्थिक प्रगति आज पूरे विश्व के अग्रिम के बीच सबसे तेज गति पर बढ़ रही है। दुनिया में आर्थिक रूप से सबसे अधिक समर्थ जी-20 समूह के सदस्य देशों की अथकता आज

भारत को मिली हुई है, इसका हम गौरव अनुभव करते हैं। हाल ही में निर्मित नया संसद भवन का उद्घाटन हो गया है और उसमें लगाए गए चित्रों को देखकर हमें आनंद की अनुभूति हो रही है। कूल मिलाकर भारत का सामान्य जल यह सब देखकर अति प्रसन्न हो रहा है कि भारत आगे बढ़ रहा है और पूरे विश्व में भारत की कीर्ति हो रही है। राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के बाद देश में एक सब होते देख कर नागरिकों को सुखद लग रहा है, परंतु देश में कुछ खिंचत करने वाला परिदृश्य भी दिखाई दे रहा है। इसी समय पर देश में कई स्थानों पर कई प्रकार की कड़वाहट मची है जैसे, भाषा को लेकर विवाद हो रहा है, पंच सम्प्रदायों को लेकर विवाद हो रहा है, नागरिकों को मिरने वाली विभिन्न संस्कृतियों के लिए विवाद चल रहा है। और, केवल विवाद ही नहीं केवल बलिदान के नागरिक आगम में ही लड़ने इगड़ने को तैयार बैठे हैं, आगम में ही हिंसा करते दिखाई दे रहे हैं। भारत की सीमाओं पर हमारी स्वतंत्रता पर दुुी नजर रखने वाले शत्रु बैठे हैं, इन शत्रुओं को हमारा सब दिखाने के बजाय हम आगम में ही लड़ रहे हैं। और, हम यह भूल रहे हैं कि हम एक देश हैं, हम एक जन हैं। एक दुर्घटनाओं को हवा देने वाले लोग भी इस देश में ही मौजूद हैं। हमारे देश में प्रजातंत्र है अतः विभिन्न



राजनीतिक दल हैं वे आगम एक दूसरे के साथ सत्ता प्राप्ति के लिए सज्ज हैं। परंतु इस सत्ता की मर्यादा होनी चाहिए ताकि देश के गौरव को कोई लान्छन न लगे, आगम में लड़ाई झाड़ों की हवा न मिले। परंतु दुर्भाग्य से यह विवेक दिखाई नहीं दे रहा है। सामान्य जन को सब कुछ समझ में आ रहा है, वे दुःखी होते हैं परंतु वे बोलते नहीं हैं। पिछले कुछ समय के दौरान हम नागरिकों के मन में भी कुछ भेद उत्पन्न हुए हैं। आज पात के भेद आए हैं, पंच सम्प्रदाय को लेकर भेद आए हैं। भारत में तो कुछ सम्प्रदाय बाहर से आए और उनको लाने वाले जो बाहर से थे उनकी भारतीय नागरिकों के साथ लड़ाई या हुई, जिसके परिणामस्वरूप जो बाहर वाले तो चले गए लेकिन अब भारत में सब देश देश के ही लोग हैं, जिन्हें उन

बाहर वालों का सम्बंध भूलकर हम देश में रहना चाहिए और यदि कोई नागरिक अभी भी उन देशों के प्रभाव में है तो वे लोग भी वहां के नहीं बल्कि भारत के ही लोग हैं। यदि इन लोगों के सोच में कोई कमी है तो उनका योग्य प्रबोधन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके साथ ही, भारत के स्वाहृ भी भारत को निचा दिखाने वाले शत्रु मौजूद हैं जो अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए भारत के लोगों को आस में लड़ना चाहते हैं एवं वे अस्मर फकर विभिन्न प्रकार के कुकर्म करने हुए इन सब बातों को हवा दे रहे हैं। परंतु, समाज को एकजुट रखना, यह हम सबका काम है। विश्व के कई देशों पर इस्लाम का आक्रमण हुआ जिन से मौलियातक। इन देशों में इस्लाम एक तरह से छत्र गाया है। परंतु भीर धीरे इन देशों के लोग जागे और उन्होंने उन

शिकार हुए, इस इतिहास को जानना चाहिए। अब वो आक्रमण तो चला गया और आज हमारे बीच है हमारी सबकी उदार संस्कृति, समस्त विविधताओं के बीच मिलकर रहने वाली संस्कृति, हमारे उस पूर्व जीवन का स्मरण और उस हमारी पूर्वज परम्परा का स्मरण। अतः आज भारत में रहने वाले समस्त नागरिकों के लिए भारतीय संस्कृतियों पर चलने की सबसे अधिक आवश्यकता है। इस बात पर भी विचार किया जाना चाहिए कि किसी वर्ण की पूजा पद्धति यदि बाहर से आई और हमको उसकी आदत हो गई, हमको अच्छी भी लगती होगी अतः हम उसे नहीं छोड़ेंगे, तो ठीक है। लेकिन देश तो हमारा अपना है पूर्वज तो हम बदल नहीं सकते, इस देश की संस्कृति हमारी संस्कृति है, यह हम सबको जोड़ने वाला मसाला है। अपनी छोटी पहचान के मिट जाने के घमणपूर्ण डर से, महान भारतीय संस्कृति से दूर होना, ठीक नहीं है। सनातन भारतीय संस्कृति तो पूरे विश्व के पले की बात करती है, पूरे विश्व को ही एक परिवार मानती है। भारत पुनः विश्व पुनः एकजुट करने के रास्ते पर चल पड़ा है। अतः ऐसे समय में विदेशियों द्वारा भारत में विभिन्न समाजों को आपस में लड़ाने की प्रयास पुनः तेज किए जा रहे हैं इस प्रकार के घटनेयों से हमें आज सावधान रहने की सख्त जरूरत है। आक्रांतों ने भी यही किया था,

अपने जो भी यही किया था क्या हम अपने इतिहास से सबक नहीं लेंगे। इस देश के समस्त समाजों को समझना होगा एवं सतर्क रहना होगा। अपने स्वत्व को बनाए रखना आवश्यक है। क्योंकि स्वत्व के चले जाने से बच चला जाता है, ओज चला जाता है एवं इसके साथ ही समृद्धि भी चली जाती है। अतः वर्तमान में तो देश के समस्त समाजों के समस्त नागरिकों में स्वत्व के भाव को जगाने की सबसे अधिक आवश्यकता है। कई समाजों अथवा विदेशियों को डर है कि यदि भारतीय समाज एक हो गये तो हमारे ऊपर जल करना प्रारम्भ कर देगा। भारत का इतिहास नहीं सकेत, इस देश की संस्कृति हमारी संस्कृति है, यह हम सबको जोड़ने वाला मसाला है। अपनी छोटी पहचान के मिट जाने के घमणपूर्ण डर से, महान भारतीय संस्कृति से दूर होना, ठीक नहीं है। सनातन भारतीय संस्कृति तो पूरे विश्व के पले की बात करती है, पूरे विश्व को ही एक परिवार मानती है। भारत पुनः विश्व पुनः एकजुट करने के रास्ते पर चल पड़ा है। अतः ऐसे समय में विदेशियों द्वारा भारत में विभिन्न समाजों को आपस में लड़ाने की प्रयास पुनः तेज किए जा रहे हैं इस प्रकार के घटनेयों से हमें आज सावधान रहने की सख्त जरूरत है। आक्रांतों ने भी यही किया था,

मातृभूमि भाँक, हमारे पूर्वजों के जीवन के उच्च आदर्श, यह हम सबके सङ्ग है। अतः अब समय आ गया है कि भारत के स्व के आधार पर इस जीवन की पुनर्चना हमें भी चाहिए। इस स्व के आधार पर ही, हम सदियों से एक रहे हैं। अपनी आस्था रखना है। पूरे विश्व अपने अपने तौर तरीके एवं विचार दृष्टि अलग अलग रह सकती है परंतु खड़ाव में सबका एक ही बनकर पड़ेना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष 1925 से भारतीय स्व के भाव को नागरिकों के बीच जगाने का कार्य कर रहा है। अब भारत विश्व के विभिन्न देशों में शामिल होने जा रहा है। अतः आज पूरा विश्व, भारत से नए रास्ते की आस्था रखता है। भारतीय संस्कृति को गहरा भारत ही दिखा सकता है। यह धमता भारतीय समाजों के नागरिकों में है और इसे पूर्व में भी सिद्ध किया जा चुका है। सब केवल एक दिशा देने की जरूरत है। उस दिशा को अभी भी हम पकड़ नहीं पा रहे हैं। उसके लिए दृष्टि जगाना पड़ेगी, परिश्रम करना पड़ेगा, संतुष्टि नहीं पड़ेगी, परस्पर व्यवहार में संलग्न बरतना पड़ेगा, विवाद से नहीं संवाद से काम लेना पड़ेगा। केवल बाहर से ही हम अलग दिखते हैं लेकिन अंदर से हम सब एक हैं। भारतवर्सी हैं। यह भूमि हमारी मातृभूमि है और हम सब भारत में ही जन्मे हैं। भारतीय संस्कृति की हिन्दू संस्कृति की हमारी विरासत है।

## पुलिस अधिकारी से रिपारर छीनकर मारी गयी, 3 आरोपी फरार

भोपाल। लूट के एक मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों ने मध्य प्रदेश से राजस्थान चले जाने समय एक पुलिसकर्मी को रिपारर छीन ली और उसकी जांच में गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस से एक अधिकारी ने बृहत्तराज को बताया कि रिपारर के चिन्नीडर जिले के निम्नाहड़ चंदर थाने के उपनिरीक्षक नारायण गहलोत का उदरपर के एक अस्पताल में उन्चा किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के तलमन रोज के पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज कुमार सिंह के अनुसार, राजस्थान पुलिस ने डेकती के एक मामले में शामिल तीन आरोपियों-लखन बाबरी, नरेंद्र बाबरी और दीपक बाबरी को कुचबुरा को मध्य प्रदेश के मंडसरी जिले से गिरफ्तार किया था। सिंह ने बताया कि राजस्थान पुलिस तीन आरोपियों को जीप में लेकर बुधवार रात अपने गृह राज्य की ओर खाना हो गईं। उन्होंने बताया कि जब लखन राजस्थान की सीमा के पास नीमच शहर पुलिस थाना क्षेत्र से गुजर रहा था, तो तीनों आरोपियों ने गहलोत पर कानू पालिया और उनकी सर्विस रिपारर छीन ली। सिंह के मुताबिक, आरोपियों ने अंधेरे में भागने से पहले गहलोत की जांच में गोली मार दी। उन्होंने कहा कि तीनों आरोपियों को फिर से गिरफ्तार करने के लिए कई पुलिस दल गठित किए गए हैं और इनकी सूचना देने वाले व्यक्ति को तीस हज़ार रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है।

## दस हज़ार रुपये की रक्षित लेते हुए वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी गिरफ्तार

उज्जैन। मध्य प्रदेश के आगर मालवा क्षेत्र में एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी को कुचबुरा को लोकायुक्त अधिकारियों ने कश्चित तौर पर एक इन्फार्मेशन से 10,000 रुपये की रक्षित लेते हुए री हाथ पकड़ा। **शिकायत के बाद की गई स्थिति** लोकायुक्त द्वारा चार पर गठित एक भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण है और यह लोक सेवकों को के खिलाफ भ्रष्टाचार और कदाचार के आरोपों की जांच करता है। लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) सुनील तालवाना ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं

स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) आर सी कुरील ने एक सोवियत बाय विशेषतः उनके बिस्तर परखाव पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं करने के लिए 20,000 रुपये की मांग की। **तीन हाथों पकड़ा गया अधिकारी** इसके बाद कुछ देर बातचीत करने के बाद कुरील ने इसे घटाकर 10,000 रुपये कर दिया। डीएसपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जल निष्ठाया गया था और कुरील को लोकायुक्त के अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से उसके सरकारी आवाम पर 10,000 रुपये लेते हुए री हाथ पकड़ा। **जमानत पर रिहा हुआ आरोपी** शिकायतकर्ता डॉक्टर ने बताया कि डॉक्टर की अच्छी रिपोर्ट तैयार करने के लिए अधिकारी ने उससे 20 हजार रुपये की रक्षित मांगी थी, लेकिन थोड़ी-बहुत बातचीत के बाद अधिकारी 10 हजार रुपये पर तैयार हो गया। इसके बाद डॉक्टर ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। निरीक्षक वसंत श्रीवास्तव ने बताया कि भ्रष्टाचार निराकरण अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल, आरोपी चिकित्सक को गिरफ्तार करने के बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया है।

## गंगा किनारे वाले छेत्रों ने पास की नीट की परीक्षा, कोर्स पूरा करने के बाद बनेंगे एमबीबीएस डॉक्टर

उत्तर प्रदेश के विष्णु उपाध्याय ने NEET की परीक्षा 720 में 622 अंक हासिल किए हैं। उन्होंने अपने प्रदर्शन का श्रेय माँ की आराधना को दिया है। विष्णु अपना कोर्स पूरा करने के बाद MBBS डॉक्टर बनेंगे। विष्णु की इस सफलता से उनका पूरा परिवार ही प्रसन्न है। विष्णु उपाध्याय ने कहा है कि वो डॉक्टर बनने के बाद भी माँ को आरती करते रहेंगे, माँ की सेवा करते रहेंगे। ऐसा करने से उनके मन को शांति मिलती है। विष्णु उपाध्याय के इस प्रदर्शन से उनके गैर परिवार में भी उत्साह का माहौल है। विष्णु ने कहा, -माँ थाने में मुझे लोगों की सेवा के लिए चुना है। मैं उन्हें कभी निराश नहीं करूँगा। उनकी



कृपा से ही मैं आज इस मुकाम तक पहुँच पाया हूँ। मेरी कामयाबी के पीछे

## थाना प्रभारी पर गिरी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की गाज,

इंदौर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज और गिरफ्तारी की गाज थाना प्रभारी पर गिरी है। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नारायण मिश्रा ने टीआई को लान्ड हाबिज कर दिया है। इस मामले की जांच एडीओ कर के अधिकारियों को सौंपी गई है। दाखलाना मुकदमा धारा इंदौर में सरो के खिलाफ पुलिस थाने पर प्रदर्शन कर रहे हैं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया था। इसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए थे, पुलिस ने इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया था। **कब्र और काँठे हुआ हंगामा** इंदौर में यह हंगामा पलासिया थाने के बाहर हुआ था, वहाँ पुलिस ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया था, बताया जा रहा है कि चक्रा आम करने के प्रयास पर पुलिस ने बजरंग कार्यकर्ताओं पर लाठीका बसवाई। इसके विरोध में

बजरंग दल कार्यकर्ताओं में जमकर नाराजगी की। बजरंग दल ने इस मामले में मध्य प्रदेश सरकार और गृह मंत्री नारायण मिश्रा से निष्पक्ष जांच की मांग की थी। विश्व हिंदू परिषद के अनुयायिक संगठन बजरंग दल ने इंदौर के पलासिया चौहौधे पर सरो के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसमें शामिल होने का बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुँचे थे। हालाँकि चर्चा यह थी कि बजरंग दल के किसी कार्यकर्ता के खिलाफ दर्ज

एफआईआर का विरोध करने के लिए वहाँ गए थे, पुलिस थाने पर काफी देर तक बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी की। इस दौरान पुलिस ने उन्हें हटाने का भी प्रयास किया। **बच्चा कहना है बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का** बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस का कोई बहिष् अधिकारी मौके पर उपस्थित नहीं था, ऐसे में आक्रोशित हुए बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पलासिया चौहौधे पर चक्रा आम कर दिया। पुलिस के मुताबिक मौके पर मौजूद पुलिसकर्मीयों ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को चक्रा आम खोलने और हटने के लिए कई बार निर्देशित किया। लेकिन कार्यकर्ता नहीं माने ऐसे में पुलिस ने लाठीचार्ज करते हुए रास्ता खुलवाने का प्रयास किया, हालाँकि वो विधियों समझे आए हैं उसमें बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की सूरीते हाल साफ नजर आते हैं।

## इंदौर में कूलरों के साथ निकली बारात

इंदौर। इंदौर के एक होटल मालिक ने अपनी भावी में शामिल मेहमानों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए बारात में चलित कूलरों का इंतजाम किया। इस अनूठी बारात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। राजबाद क्षेत्र में एक होटल चलाने वाले सुभांशु रुखुवरी ने बृहत्तराज को बताया, -इंदौर में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। मेरे भातने में शामिल मेहमानों को गर्मी से परेशानी न हो और वे आराम से गुजर सकें, इसलिए मैंने बारात में टूरुनी पर चलने वाले 11 बड़े कूलरों का इंतजाम किया था।- उन्होंने बताया कि शहर में खाल जूट को निकाली उसकी बारात ने करीब 1.5 किलोमीटर का रास्ता तय किया और इसमें करीब 400 मेहमान शामिल हुए।रुखुवरी ने बताया कि जब उनकी बारात राजबाद चौहौधे से गुजरी, तो किसी स्थानीय व्यक्ति ने अपने घर की छत से इसका वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

इसके बाद वो पहाड़ में समय व्यतीत करते थे। जो पिछले 4 वर्षों से हथकड़ की तैयारी कर रहे थे, अर्थात वो जत्र 9वीं कक्षा को भी तभी से। वो प्रतिनिध 11 बजे तक पहाड़ किने थे। बीच में वो खेलदरुत भी करते थे। 12वीं कक्षा के बाद वो राजस्थान के कोटा कॉलेज के लिए चले गए। विष्णु की माँ तुलसी ने भी कहा कि गंगा मैया की कृपा से उनके कक्षा में भी सफलता मिली है। निता हरेद ने भी कहा कि हमलोग ऐसे ही गंगा मैया की सेवा करते रहेंगे।

## 18-19 जून को असर दिखा सकता है बिपरजाय, ग्वालियर, भिंड सहित कई जिलों में हो सकती है तेज बारिश

भोपाल. गुजरात में तवाही मचा चुका खतरनाक सूफान बिपरजाय मध्य प्रदेश में भी अपने निशान छोड़ सकता है। इसके जवह से खालिजर-चंबल अंचल में आंधी और तेज बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग का कहना है कि 18-19 जून खालिजर में तेज बारिश के साथ-साथ 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाए चल सकती है। विभाग ने इसे लेकर खले अलर्ट जारी किया है। बिपरजाय के असर के बीच प्रदेश में प्री-मामसूत गतिविधि चलती रही। खाम बात यह है कि प्री-मामसूत चक्रवर्ती के साथ ही प्रदेश के अधिकांश जिलों में तेज गर्मी का प्रभाव देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि खालिजर-अंचल से पहले बिपरजाय का असर उत्तर-पूर्वी राजस्थान में दिखाई देगा। उसकी जवह से इस इलाके में तूफान का लो-प्रेसर निर्माण होगा। इसके बाद खालिजर-चंबल क्षेत्र में खालिजर, भूँना, भिंड, श्यांपूरकाली दरिया में तेज बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञानियों ने बताया कि 18-19 जून के बाद तूफान का असर धीरे-धीरे कम हो जाएगा।

# 98.51 प्रतिशत लाइली बहनों को हुआ है 1000 रूपए का भुगतान - मुख्यमंत्री

**\* श्रेय रही बहनों को भुगतान करने में अधिकारी लगे जन-प्रतिनिधियों का सहयोग \* मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में किसानों को प्रतिवर्ष 4 हजार की जगह मिलेंगे 6 हजार रूपए \* मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना एवं मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफ़ी योजना की समीक्षा**

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना और मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफ़ी योजनाएँ अद्भुत हैं। इन योजनाओं के क्रियान्वयन में बेहतरीन काम हुआ है। इसके लिए मंत्रीगण, विधायक, जन-प्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी बराई के पत्र हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना में अब तक एक करोड़ 18 लाख 22 हजार 624 लाइली बहनों को सफल भुगतान किया जा चुका है।



जिसका प्रतिशत 98.51 है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को लाइली बहना योजना में राशि अंतर्गत नहीं होने वाली बहनों की मदद करने के लिये जन-प्रतिनिधियों से सहयोग लेने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समल भवन में मुख्यमंत्री श्री चौहान बहना योजना और मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफ़ी योजना की समीक्षा कर रहे थे। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह वैस, अवर मुख्य सचिव कृषि श्री

अशोक वर्णवाजा, मुख्य सचिव सहकारिता श्री अनामन आराम, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं तकनीकी श्री निरुज श्रीवास्तव सहित संबन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। **श्रेय कार्याय जायेगा श्रेय लाइली बहनों के खाते में** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना में राशि अंतर्गत के बाद श्रेय रही बहनों को खाते में शीघ्र पैसा पहुँचाने

के लिये सभी आवश्यक प्रयास तत्परता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन एक लाख 78 हजार 891 बहनों के खाते में राशि नहीं पहुँची है, उनसे आवश्यक जानकारी प्राप्त कर बैंक को उपलब्ध कराई जाये, जिससे उन्हें खाते में भुगतान हो सके। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आधार सीडिंग कार्य में महापौर, जनपद अध्यक्ष, सरपंच, समस्त जन-प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए। जन-

प्रतिनिधि बहनों के साथ बैंकों में जाकर अकाउंट खटा अकट्टे करने में आवश्यक मदद करें, जिससे योजना की राशि पहुँच सके। बताया गया कि 10 जून से 14 जून के मध्य डीबीटी सक्मि किये गये 1.07 लाख दिखावा बहनों के भुगतान अक्षर 15 जून को प्रोसेस किये गये हैं। असफल भुगतान प्रकरणों के निराकरण के लिये की जा रही कार्यवाही

समस्त लाइली बहनों को एसएमएफ कार भुगतान अयफल होने की जानकारी दी जा रही है। सदियों के द्वारा अयफल होने के कारण और उनके निराकरण के लिये सुझाव भी प्रेषित किये जा रहे हैं। जितने और स्थानीय निवास स्तर पर प्रत्येक लाइली बहना के भुगतान अयफल होने का कारण और निदान प्रदर्शित किया जा रहा है। निदान स्तर से निराकरण के बाद लाइली बहनों को भुगतान किये जा रहे हैं। जिनका 19 हजार डिफरेंस कृषकों के ऊपर बकाया ब्याज की राशि लगभग 2123 कोड रूपये माफ की गई है।

**शुच प्रतिशत ब्याज दर पर मिलेगा छूट-बीज** मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषक ब्याज माफ़ी योजना में डिफरेंस किसानों के खाते में डाली गई राशि के बाद अब किसान शुच प्रतिशत ब्याज दर पर खटा-बीज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में किसानों को अब 4 हजार रूपए की जगह 6 हजार रूपए दिए जायेंगे। हर साल तीन करोड़ों में दो-दो हजार रूपए की राशि छाली जायेगी।

उद्देश्यवैध है कि मित्र-पहितद्वारा 9 मई 2023 को कृषक ब्याज माफ़ी योजना के अंतर्गत 1.07 लाख दिखावा बहनों के भुगतान अक्षर 15 जून को प्रोसेस किये गये हैं। असफल भुगतान प्रकरणों के निराकरण के लिये की जा रही कार्यवाही



